भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
04.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1447 का उत्तर

भोपाल से लखनऊ और भोपाल से पटना के बीच वंदे-भारत रेलगाड़ी

1447. श्री आलोक शर्मा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बजट में की गई घोषणा के अनुसार विभिन्न मार्गों पर नई वंदे भारत रेलगाड़ियां शुरू की जानी थीं और यदि हां, तो घोषणा के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष के दौरान अब तक कितनी वंदे भारत रेलगाड़ियां शुरू की गई हैं;

(ख) भोपाल से लखनऊ और भोपाल से पटना के बीच वंदे-भारत रेलगाड़ी कब तक शुरू किए जाने की संभावना है और इस संबंध में नवीनतम ब्यौरा क्या है; और

(ग) भोपाल के निकट निशातपुरा रेलवे स्टेशन का कार्य कब तक पूरा होने की संभावना है, इसके विस्तार से संबंधित ब्यौरा क्या है और उक्त स्टेशन को कब तक आरंभ किए जाने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख) 28 नवंबर, 2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 136 वंदे भारत रेल सेवाएं चल रही हैं, जिनमें चालू वित्त वर्ष के दौरान शुरू की गई 34 वंदे भारत सेवाएं शामिल हैं। वर्तमान में, भोपाल लखनऊ क्षेत्र से 28 जोड़ी मेल/एक्सप्रेस सेवाओं और पटना क्षेत्र से 08 जोड़ी मेल/एक्सप्रेस सेवाओं के माध्यम से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, इन क्षेत्रों में यात्रियों की अतिरिक्त आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भोपाल और लखनऊ के बीच 04 जोड़ी विशेष रेलगाड़ी सेवाएं चलाई जा रही हैं, जबकि भोपाल और पटना क्षेत्र के बीच 06 जोड़ी विशेष रेलगाड़ी सेवाएं चलाई जा रही हैं। इसके

अलावा, भारतीय रेल पर वंदे भारत गाड़ियों सहित नई गाड़ी सेवाएं शुरू करना और गाड़ियों के ठहराव देने की व्यवस्था करना परिचालनिक व्यवहार्यता, यातायात औचित्य आदि के अध्यधीन सतत प्रक्रियाएं हैं।

(ग) भारतीय रेल पर स्टेशनों का उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में ये कार्य पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकता के अनुसार किए जाते हैं। बहरहाल, स्टेशनों के उन्नयन/आधुनिकीकरण के लिए कार्यों को स्वीकृति देने और निष्पादित करते समय निम्न कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

निशातपुरा रेलवे स्टेशन पर विकास कार्यों के लिए, निविदाएं प्रदान की गई हैं और प्लेटफॉर्म की सतह संबंधी कार्यों में सुधार, प्लेटफार्मों के विस्तार, प्लेटफॉर्म शेल्टर, पेयजल बूथ, एलईडी लाइट, छत के पंखे, सवारी डिब्बा गाइडेंस प्रणाली, कम्प्यूटरीकृत घोषणा प्रणाली आदि के कार्य शुरू किए गए हैं।

इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्रियों के आवागमन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं। अत: इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

*****

S.K